**Visit of Indian Delegations to Foreign Countries**

27. SHRI GOPALSINH G. SOLANKI: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) the number of delegations sent abroad during the last three years yearwise and country-wise;

(b) the expenditure incurred on each of such delegations; and

(c) the broad results achieved by these visits?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI R. L. BHATIA): (a) to (c) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

**Outcome of Prime Minister's Visit to the USA**

28. SMT. CHANDRIKA ABHINANDAN JAIN: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state

(a) whether the Prime Minister and his team visited the USA recently;

(b) if so, the details of main aims and objectives behind the visit and the details of issues discussed with the President of USA and other US leader;

(c) the outcome of the discussions held here alongwith the details of the trade greements/MOUs signed with Government of the USA vis-a-vis during his recent visit:

(d) what is the main features of the greements and trade treaty with the SA, and the terms of export and nport between the two countries; and

(e) if so, the details therof?

THE MINISTER OF STATE IN HE MINISTRY OF EXTERNAL FFAIRS (SHRI SALMAN KHURHID): (a) Yes, Sir from May 14-20 994.

(b) and (c) The aim of Prime Ministe.'s visit to the US was to establish personal contact with President Clinton and to lay the basis for durable improvement in Indo-US relations and taking advantage of the new opportunities for expanded trade and investment created by India's economic reforms, President Clinton and PM discussed a wide range of global issues of common concern, including those relating to national security, apart from bilateral relations. These discussions were extremely cordial, candid and useful. President Clinton's Administraion and the US corporate world demonstrated support and optisism about India's economic reforms and the new avenues this had opened up to intensify and broaden our bilateral cooperation, Concrete steps including exchange of several Cabinet-level visits, were identified. The two leaders agreed that India and the US would intensify their cooperaiton to achieve a global and non-discriminatory Comprehensive Test Ban Treaty and a verifiable ban on the production of fissile material for nuclear weapons. Support for non-proliferation and progressive reduction of weapons of mass destruction, with the goal of their elimination, was identified as a priority area. PM took the opportunity to brief President Clinton on Indian concerns regarding cross-border support to terrorist in India and particularly in Jammu and Kashmir President Clinton agreed that all outstanding issues between India and Pakistan must be resolved through bilateral negotiations, as envisaged in the Simla Agreement. Two MOUs were signed during PM's visit, one on Cooperative Measures to Increase Awareness and Support for Efforts to Combat production. Distribution and Use of Illegal drugs; and MOU on Planning, Conservation and Management of Natural and Cultural Heritage Sites.

(d) and (e) There is no bilateral trade treaty or agreement with USA. Trade is conducted in hard currency and in the framework of GATT Two-way Indo-US bilateral trade in 1993 (calender

year) equalled US $ 7.3 billion (Rs. 23.031 crores) with a trade surplus in India's favour of US $ 1.8 billion (Rs. 5,679 crores).

### भारत में पारपत्र कार्यालय

29. **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल :** क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) 31 मार्च, 1994 की स्थिति के अनुसार पारपत्र कार्यालय किन-किन स्थानों पर स्थित है ;

(ख) प्रत्येक पारपत्र कार्यालय का जिला/राज्यवार अधिकार क्षेत्र कितना-कितना है और प्रत्येक अधिकार क्षेत्र में 1991 की जनगणना के अनुसार कुल कितनी-कितनी जनसंख्या है ;

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक पारपत्र कार्यालय को वर्ष-वार औसतन कितने-कितने पारपत्र संबंधी आवेदन पत्र प्राप्त हुए ;

(घ) क्या सरकार के समक्ष गुजरात में अहमदाबाद के अलावा नए प्रादेशिक पारपत्र कार्यालय खोलने के संबंध में कोई प्रस्ताव विचाराधीन है ; और

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

**विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर० एल० भाटिया) :** (क) 31 मार्च, 1994 की स्थिति के अनुसार क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालयों/पासपोर्ट कार्यालयों की सूची विवरण–I के रूप में संलग्न है **(नीचे देखिए)**।

(ख) 1991 की जनगणना के अनुसार पासपोर्ट कार्यालयों के जिलावार क्षेत्राधिकार का ब्यौरा विवरण-II के रूप में संलग्न है **(नीचे देखिए)**।

(ग) वर्ष 1991,1992 तथा 1993 के दौरान पासपोर्ट कार्यालयों में प्राप्त नये आवेदनों की संख्या का ब्यौरा विवरण–III के रूप में संलग्न है **(नीचे देखिए)**

(घ) और (ङ) इस समय अहमदाबाद में स्थित पासपोर्ट कार्यालय के अलावा गुजरात राज्य में नया पासपोर्ट कार्यालय खोलने का कोई प्रस्ताव नहीं है। नया पासपोर्ट कार्यालय विभिन्न मानदण्डों के आधार पर खोला जाता है जिनमें कार्यभार और उपलब्ध संसाधन शामिल हैं तथा मात्र नया पासपोर्ट कार्यालय खोलने से ही तब तक सेवाओं में सुधार नहीं होगा जब तक आवश्यक आधारभूत संरचना और कार्मिक उपलब्ध न हों। इसलिए सरकार बकाया पड़े आवेदनों का निपटान करने, पासपोर्ट जारी करने में होने वाली देरी को कम करने तथा कार्यप्रणालियों और कार्य विधियों को व्यवस्थित और सरल बनाने के संबंध में ध्यान दे रही है।

### विवरण – I

### क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालयों की सूची

1. क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, अहमदाबाद
2. पासपोर्ट कार्यालय, बंगलौर
3. पासपोर्ट कार्यालय, बरेली
4. पासपोर्ट कार्यालय, भोपाल
5. क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, भुवनेश्वर
6. क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, बम्बई
7. क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, कलकत्ता
8. क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, चण्डीगढ़
9. क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, कोचीन
10. क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, दिल्ली
11. क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, गुहाटी
12. पासपोर्ट कार्यालय, हैदराबाद
13. पासपोर्ट कार्यालय, जयपुर
14. पासपोर्ट कार्यालय, जालन्धर
15. पासपोर्ट कार्यालय, कोजीकोड
16. पासपोर्ट कार्यालय, लखनऊ
17. क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, मद्रास
18. पासपोर्ट कार्यालय, नागपुर
19. पासपोर्ट कार्यालय, पणजी
20. पासपोर्ट कार्यालय, पटना
21. पासपोर्ट कार्यालय, तिरुचिरापल्ली
22. पासपोर्ट कार्यालय, त्रिवेन्द्रम
23. पासपोर्ट कार्यालय, जम्मू